STD-VI
Ch-7
चेतक की वीरता

PAGE NO.
Date: / /20

Date- 9.7.21

कठिन शब्द

चौकड़ी निर्भीक बैरी

राणा प्रताप करवालों ढालों

अरि-मस्तक वज्रमय

कौशल निषंग

भालों टापों

H/W - Write each word 3 times.

शब्दार्थ

चौकड़ी - छलाँग लगाना, कुलाँचे भरना

निराला - अनोखा

विकराल - भयंकार

रण - युद्ध

अरि - दुश्मन

निषंग - तलवार, तरकश

भालों - एक प्रकार की हथियार, बरछा

निर्भीक - जिसे भय न लगे

हय - घोड़ा

करवाल - तलवार

ढालों - लोहे में बना हुआ गोलाकार फलक

तनिक - थोड़ा

कोड़ा - चाबुक या सोंटा

STD - VI
Ch - 7

Date - 10 - 7 - 21
(Saturday)

प्रश्न और उत्तर

प्र-1- चेतक को निराला क्यों कहा गया है ?

उ- चेतक को निराला इसलिए कहा गया है, क्योंकि उसके जैसा साहसी, चालाक और फुर्तीला घोड़ा शायद और कहीं भी न मिल पाए। राणा प्रताप के सतर्क होने से पहले ही चेतक उनको सतर्क कर देता था।

प्र-2- कवि ने 'बैरी समाज' किसे कहा है ?

उ- कवि ने 'बैरी समाज' उन लोगों को कहा है जो राणा प्रताप के खिलाफ लड़ते थे या उनके दुश्मन थे।

Date: / /20

प्र-३ 'चेतक' एक घोड़ा था, कविता की किस पंक्ति से तुम्हें यह पता चला ?

उ- रण बीच चौकड़ी भर-भरकर, चेतक बन गया निराला था,
राणा प्रताप के घोड़े से, पड़ गया हवा का पाला था।
यह पंक्ति से पता चलता है।

प्र-४ इन पंक्तियों के भाव स्पष्ट करो -

(क) वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।

उ- वह दुश्मन के सामने इतनी तेजी से दौड़ता था कि जैसे मानो आसमान में एक घोड़ा उड़ रहा हो या फिर आसमानी घोड़ा।

(ख) राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।

उ- यहाँ राणा की पुतली मतलब राणा प्रताप का शरीर है, चेतक इतना चालाक और फुर्तिला घोड़ा था कि राणा प्रताप को शत्रुओं का आभास होने से पहले ही चेतक मुड़ जाता था।

(ग) बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया, गया, फिर ठहर गया।

उ- बाढ़ आने से नदी की लहर जैसे बढ़ते और ठहर जाते, वैसे चेतक रणभूमि में नदी की लहर की तरह आगे बढ़ता था और ठहर जाता था।